एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वाइन फ्लू, डेंगू और चिकनगुनिया

लक्षण, उपचार तथा रोकथाम

	स्वाइन फ्लू	डेंगू	चिकनगुनिया
कारक	वाइरस	वाइरस	वाइरस
फैलाव	• रोगी के छींकने, खाँसने से संपर्क होने पर।	• मच्छर (एडिज) के काटने से।	• मच्छर (एडिज) के काटने से।
लक्षण	• खाँसी, जुकाम और बुखार	• तेज बुखार, बदन दर्द, सिर दर्द, प्लेटलेट कम होना।	• जोड़ों मे दर्द, तेज बुखार, चकत्ते पड़ना, जोड़ों का दर्द 6 महीने तक रह सकता है।
उपचार	• पानी व तरल पदार्थ का सेवन व आराम करने से 99 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं। • स्वाइन फ्लू (एच1एन1) टेस्ट व टेमी फ्लू की जरूरत Category-C रोगियों को ही पड़ती है, जिन्हें सांस में तकलीफ, सीने में दर्द, बलगम में खून, बेहोशी, नाखून का नीला पड़ना आदि लक्षण होते हैं।	• 3-4 लीटर पानी या तरल पदार्थ का सेवन। बुखार के लिये केवल पेरासिटामॉल और आराम। • कोई अन्य दवा न लें। • पेट-दर्द, उल्टी, हाथ-पैर ठण्डे या खून आने पर अस्पताल जायें। • प्लेटलेट की जरूरत कुछ लोगों को ही (खून आने पर या प्लेटलेट 10,000 से कम) होती है। ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं, कुछ ही मरीजों में यह जानलेवा होता है।	• आराम करें। • पेरासिटामॉल की गोली लें। • चिकनगुनिया की जाँच करायें और डाक्टर की सलाह के बाद ही दर्द की दवा लें। • चिकनगुनिया में जान का खतरा न के बराबर है।
रोकथाम	• 05 वर्ष से कम या 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को टीका लगवाना चाहिए। • टीका लगने के 2-3 सप्ताह बाद बचाव संभव हो पाता है। यह बचाव 6 से 12 महीने रहता है।	• घर तथा घर के आस-पास पानी न जमा होने दें। • शरीर ढ़क कर रखें। • मच्छरदानी और मच्छरों को दूर रखने की दवा का प्रयोग करें।	• घर तथा घर के आस-पास पानी न जमा होने दें। • शरीर ढ़क कर रखें। • मच्छरदानी और मच्छरों को दूर रखने की दवा का प्रयोग करें।

उपरोक्त बीमारियों के इलाज की सुविधा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (KGMU), लखनऊ में उपलब्ध है।

इन बीमारियों में घबराहट और परेशानी से बीमारी बिगड़ने का डर है।
उक्त जानकारी के अनुसार अपने चिकित्सक से सलाह लें।

Omni Media Ad (20 x 25=500)